भारतसरकार

भारत मौसम विज्ञान विभाग,

कृषिसलाहकार एकक,प्रादेशिक मौसम पूर्वानुमान केंद्र ।

साल-25, क्रमांक :- 11/2017-18/मंग. समय अपराह्न 2.30 बजे दिनांक: 06-02-2018

बीते सप्ताह का मौसम (31 जनवरी से 06 फ़रवरी, 2018)

सप्ताह के दौरान आसमान में सुबह के समय हल्का कोहरा रहा। दिन का अधिकतम तापमान 21.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस (साप्ताहिक सामान्य 20.6 डिग्री सेल्सियस) तथा न्यूनतम तापमान 2.6 से 10.2 डिग्री सेल्सियस (साप्ताहिक सामान्य 7.0 डिग्री सेल्सियस) रहा। इस दौरान पूर्वाह्न 7.21 को सापेक्षिक आर्द्रता 80 से 97 तथा दोपहर बाद अपराह्न 2.21 को 30 से 46 प्रतिशत दर्ज की गई। सप्ताह के दौरान दिन में औसत 6.5 घंटे प्रति दिन (साप्ताहिक सामान्य 6.3 घंटे) धूप खिली रही। हवा की औसत गति 4.2 कि.मी प्रति घंटा (साप्ताहिक सामान्य 3.9 कि.मी .प्रति घंटा) तथा वाष्पीकरण की औसत दर 3.7 मि.मी. (साप्ताहिक सामान्य 2.7 मि.मी) प्रति दिन रही। सप्ताह के दौरान पूर्वाह्न को हवा अधिकतर शांत रही तथा अपराह्न को उत्तर-पश्चिम दिशाओं से रही।

भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, लोदी रोड़, नई दिल्ली से प्राप्त मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व/दिनांक	07-02-18	08-02-18	09-02-18	10-02-18	11-02-18
वर्षा (मि.मी.)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान {°सेल्सियस}	24	24	24	25	25
न्यूनतम तापमान {° सेल्सियस}	08	07	08	08	11
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	2	5	4	5	5
सापेक्षिक आर्द्रता(प्रतिशत) अधिकतम	90	90	85	85	80
सापेक्षिक आर्द्रता(प्रतिशत) न्यूनतम	30	30	30	25	25
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	08	10	07	05	11
हवा की दिशा	उत्तर-उत्तर -पश्चिम	उत्तर-उत्तर -पश्चिम	उत्तर-उत्तर -पश्चिम	उत्तर-उत्तर -पश्चिम	उत्तर-उत्तर -पश्चिम
साप्ताहिक संचयी वर्षा (मि.मी.)	0.0				

साप्ताहिक मौसम पर आधारित कृषि सम्बंधी सलाह 11 फरवरी, 2018 तक के लिए

कृषि परामर्श सेवाओं, कृषि भौतिकी संभाग के कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार किसानों को निम्न कृषि कार्य करने की सलाह दी जाती है।

1. मौसम को ध्यान में रखते हुए गेहूँ की फसल में रोगों , विशेषकर रतुआ की निगरानी करते रहें। काला , भूरा अथवा पीला रतुआ आने पर फसल में डाइथेन एम -45 (2.5 ग्राम/लीटर पानी) का छिड़काव करें। पीला रतुआ के लिये 10-20 डिग्री सेल्सियस तापमान उप्युक्त है। 25 डिग्री सेल्सियस तापमान से ऊपर रोग का फैलाव नहीं होता। भूरा रतुआ के लिये 15 से 25 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ नमीयूक्त जलवायु आवश्यक है। काला रतुआ के लिये 20 डिग्री सेल्सियस से ऊपर तापमान ओर नमी रहित जलवायु आवश्यक है।
2. चने की फसल में फली छेदक कीट की निगरानी हेतु फीरोमोन प्रपंश @ 3-4 प्रपंश प्रति एकड़ उन खेतों में लगाएं जहां पौधों में 20-25% फूल खिल गये हों। “T” अक्षर आकार के पक्षी बसेरा खेत के विभिन्न जगहों पर लगाए।

3. इस सप्ताह तापमान को देखते हुए किसानों को सलाह है कि भिंडी की अगेती बुवाई हेतु ए-4, परबनी क्रांति , अर्का अनामिका आदि किस्मों की बुवाई हेतु खेतों को पलेवा कर देसी खाद डालकर तैयार करें। बीज की मात्रा 10-15 कि.ग्रा./एकड़।
4. रबी फसलों एवं सब्जियों में मघुमक्खियों का बडा योगदान है क्योंकि यह परांगण में सहायता करती है अत: जितना संभव हो मघुमक्खियों के पालन को बढ़ावा दें तथा दवाईयों का छिडकाव सर्दी के मौसम में सुबह या शाम के समय ही करें।
5. तापमान को मध्यनजर रखते हुए किसानों को सलाह है कि कद्दूवर्गीय सब्जियों , मिर्च, टमाटर, बेंगन आदि की बुवाई करें तथा टमाटर , मिर्च, कद्दूवर्गीय सब्जियों की तैयार पौधों की रोपाई कर सकते है। बीजों की व्यवस्था किसी प्रमाणिक स्रोत से करें।
6. मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह है कि आलू में पछेता झूलसा रोग की निरंतर निगरानी करते रहें तथा प्रारम्भिक लक्षण दिखाई देने पर केप्टान @ 2 ग्राम\लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करें।
7. किसान एकल कटाई हेतु पालक (ज्योति), धनिया (पंत हरितमा), मेथी (पी.ई.बी, एच एम-1) की बुवाई कर सकते हैं। पत्तों के बढ़वार के लिए 20 कि.ग्रा. यूरिया प्रति एकड की दर से छिड़काव कर सकते हैं।
8. गोभीवर्गीय फसल में हीरा पीठ इल्ली, मटर में फली छेदक तथा टमाटर में फल छेदक की निगरानी हेतु फीरोमोन प्रपंश @ 3-4 प्रपंश प्रति एकड खेतों में लगाएं।
9. मौसम को ध्यान में रखते हुए गाजर, मूली, चुकन्दर और शलगम की फसल की निराई-गुड़ाई करे तथा चेपा कीट की निगरानी करें।
10. मटर की फसल में फली छेदक कीट तथा टमाटर की फसल में फल छेदक कीट की निगरानी हेतु फिरोमोन प्रपंश @ 3-4 प्रपंश प्रति एकड की दर से लगाए। यदि कीट अधिक हो तो बी.टी नियमन का छिड़काव करें।
11. इस मौसम में गेंदे में पूष्प सड़न रोग के आक्रमण की सम्भावना बढ जाती है अत: किसान फसल की निगरानी करते रहें। यदि लक्षण दिखाई दें तो बाविस्टिन 1 ग्राम\ लीटर अथवा इन्डोफिल-एम 45 @ 2.0 एम.एल\लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करें।
12. इस मौसम में मिली बग के बच्चे जमीन से निकलकर आम के तनों पर चढ़ेगें, इसको रोकने हेतु किसान जमीन से 0.5 मीटर की ऊंचाई पर आम के तने के चारों तरफ 25 से 30 से.मी. चौड़ी अल्काथीन की पट्टी लपेटे। तने के आस-पास की मिट्टी की खुदाई करें जिससे उनके अंडे नष्ट हो जायेंगे।

कृषि सलाहकार एकक दिल्ली तथा कृषि विभाग दिल्ली

वैज्ञानिक 'डी'

द्वारा संयुक्त रूप से जारी किया गया ।

<u>ई -मेल</u> :

1. **उपमहानिदेशक (कृषि)पुणे ।**
2. **कृषि एवं गृह एकक आकाशवाणी कमरा न॰ 610 फैक्स न॰ 23710106 ।**

डा.पी.सिन्हा (प्रधान वैज्ञानिक, पादप रोग संभाग)